राज कॉमिक्स विशेषांक

मूल्य 20.00 रुपए

शक्तिमान

और काकोदर का कहर

शक्तिमान का एक पोस्टर मुफ़्त

भीष्म इंटरनेशनल प्रस्तुति

Hii Dear Friends,

This is the community for all those
out their with a passion for RajComics..
for all those who are willing to support
the comics industry by purchasing new comics
and sharing the old gems with fellow comic lovers!

Let's bring Rajcomics to its former glory..
Let's bring back our childhood memories..
Let's together inherit the tradition..and share the janoon!

Here You will find all New and Old Comics of Nagraj,Dhruv,Doga,
Parmanu,Steel,Gamraj,Shakti,Kobi-Bhediya,Bhokal,Bankelal,
Chacha Chaudhary,Billoo,Pinki,Ram-Rahim,Crookbond,Tausi,
Angara,Jamboo, and Many Many Many more Super Heroes.

Catch Out New Set Releases first Only in RCJ Community..
And many more weekly and Monthly Comics Marathon/Utsav.

So come forward and join Our Comics Janoon Team
RAJCOMICS HAI MERA JANOON
http://teamrcj.com

कर्तव्य और न्याय के पथ पर
तलवार से सैकड़ों शैतानों के
सिरों का ढेर लगा देगा...

...विराट

विराट-7

राज कॉमिक्स में विराट सीरीज का
पूरा आनन्द उठाने के लिये पढ़ें:-

विराट-1, विराट-2, विराट-3, विराट-4, विराट-5, विराट-6,

Mukesh Khanna

प्यारे दोस्तो, आज शक्तिमान सीरियल अपनी राह के उस मुकाम पर पहुंचा है जहां बच्चे शक्तिमान से मनोरंजन भी पा रहे हैं और शिक्षा भी। हमारा शुरुआत से ध्येय रहा है कि इस सीरियल को हम मनोरंजक भी बनाएं और शिक्षाप्रद भी और हमें इस कार्य में काफी सफलता मिल रही है। इस सफलता का काफी श्रेय बच्चों पर भी जाता है जो इसको मजे-मजे से देख भी रहे हैं और अच्छी-अच्छी बातें सीख भी रहे हैं।

बीच में कुछ शरारती तत्वों ने इस सीरियल को बदनाम करने और बंद कराने की कोशिश की। जिसमें उन्हें नाकामी मिली, क्योंकि जीत अंत में हमेशा सत्य की होती है और हम सत्य की राह पर चल रहे हैं। हमारे इरादे नेक हैं। झूठ कभी छिप नहीं सकता। उन्होंने ये अफवाहें फैलाने की कोशिश पूरे देशभर में की कि बच्चे शक्तिमान देख कर घायल हो रहे हैं। गिर रहे हैं। लेकिन उनके झूठ का पर्दाफाश हो गया है और ये साबित हो गया है कि कोई बच्चा घायल नहीं हो रहा, उल्टा बच्चों का आत्मबल बढ़ रहा है और वो ज्ञानवर्धक बातें सीख रहे हैं इस शक्तिमान सीरियल से। बच्चों, शक्तिमान तुम लोगों का दोस्त है और उसकी और आपकी दोस्ती सदा बनी रहेगी और ये सीरियल यूं ही चलता रहेगा।

एक बात और, आप लोगों को हैरानी हुई होगी कि ये कॉमिक अब राज कॉमिक्स द्वारा प्रकाशित हो रही है, डायमंड द्वारा नहीं। तो दोस्तो, मैं शक्तिमान के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहता। हमने शक्तिमान का निर्माण इस तरह से करने का बीड़ा उठाया था कि ये दुनिया भर के और सुपर हीरो से किसी भी तरह कम न हो। इसकी क्वालिटी हर तरह से बढ़िया होनी चाहिए। हम हर कदम पर इसे बेहतर बनाने में लगे हुए हैं। उसी तरह से हमारी ये कॉमिक भी दुनिया भर के सालों से प्रचलित सुपर हीरो कॉमिक से पूरी तरह से मुकाबला कर सके यही हमारा प्रयास है। इसमें जो बनावट जो नतीजा हमें डायमंड कॉमिक्स दे रहे थे उससे हम संतुष्ट नहीं थे इसलिए अब हम इसे राज कॉमिक्स को दे रहे हैं और हमें आशा है कि वो इसे एक मकसद मान कर इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनायेंगे ताकि आप भी गर्व करके कह सकें कि हमारे देश में भी है हमारा अपना इंडियन सुपर हीरो **'शक्तिमान।'**

अब आप शक्तिमान कॉमिक में पायेंगे बेहतरीन चित्र और मधुर एवं सरल भाषा से रची रोचक कहानियां। राज कॉमिक्स द्वारा प्रकाशित प्रथम शक्तिमान कॉमिक के साथ शक्तिमान का एक आकर्षक पोस्टर भी मुफ्त दिया जा रहा है आपको। अब शक्तिमान की नई कॉमिक केवल राज कॉमिक्स द्वारा ही प्रकाशित की जायेगी। अतः मेरा आपसे अनुरोध है शक्तिमान की नई कॉमिक के लिए केवल राज कॉमिक्स ही पढ़ें। अगर इसके बारे में आप मुझे कोई राय भेजना चाहें तो नीचे लिखे पते पर भेजें। मैं अब यहीं रुकता हूं। शेष अगले अंक में।

-: जयहिंदः-

आपका

Mukesh Khanna

मुकेश खन्ना

'राज कॉमिक्स'330/1, मेन रोड बुराड़ी, दिल्ली-110084.

शक्तिमान और काकोदर काकड़ा

भीष्म इंटरनेशनल कृत टी॰वी॰ सीरियल 'शक्तिमान' पर आधारित !
संयोजक : मुकेश खन्ना, दिनकर जानी ! कहानी : गालिब असद भोपाली, ब्रज मोहन पांडेय

कॉमिक रूपान्तर लेखक : हनीफ अजहर, चित्र-पेंसिलिंग : धीरज वर्मा, इंकिंग : नरेश कुमार
कैलीग्राफी व रंग संयोजक : टी॰आर॰ आजाद, सम्पादक : मनीष गुप्ता, कलर इफेक्ट : मालतीवर्मा

अनन्त ब्रह्माण्ड अन्तरिक्ष, और उसका एक छोटा सा भाग पृथ्वी दस हजार साल पहले निर्मल सुन्दर और इस पवित्र धरती पर सूर्यांशियों ने सूर्य को खोज कर स्थापित किया प्रकाश का साम्राज्य और स्वर्ग सी सुन्दर इस धरती पर स्थापित किया शान्ति पवित्रता का वातावरण—

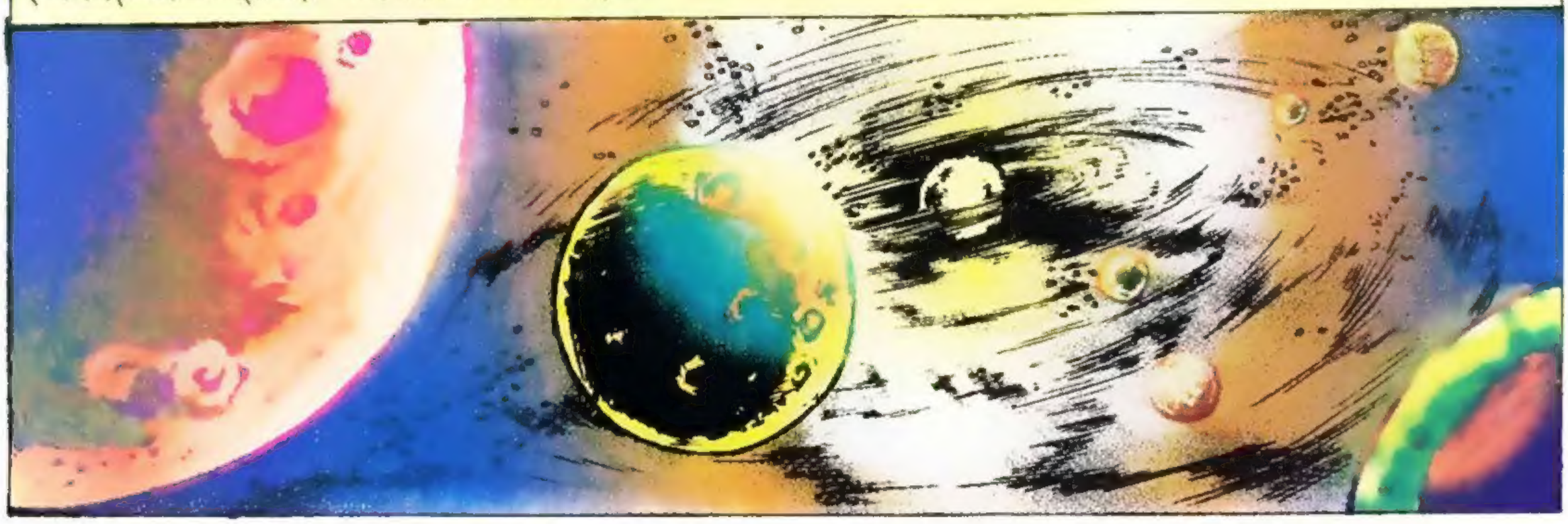

आज से छः हजार साल पहले कलियुग ने शुरूआत की, जिसके प्रभाव से मनुष्य ने बेच दिया विचार, धर्म और संयम और उसकी जगह उसमें भरता चला गया क्रोध, पाप, अनाचार ! और फिर मनुष्य बनाने लगा एक से बढ़कर एक हथियार। और खुद अपने ही हाथों मानवता का नाश करने लगा।

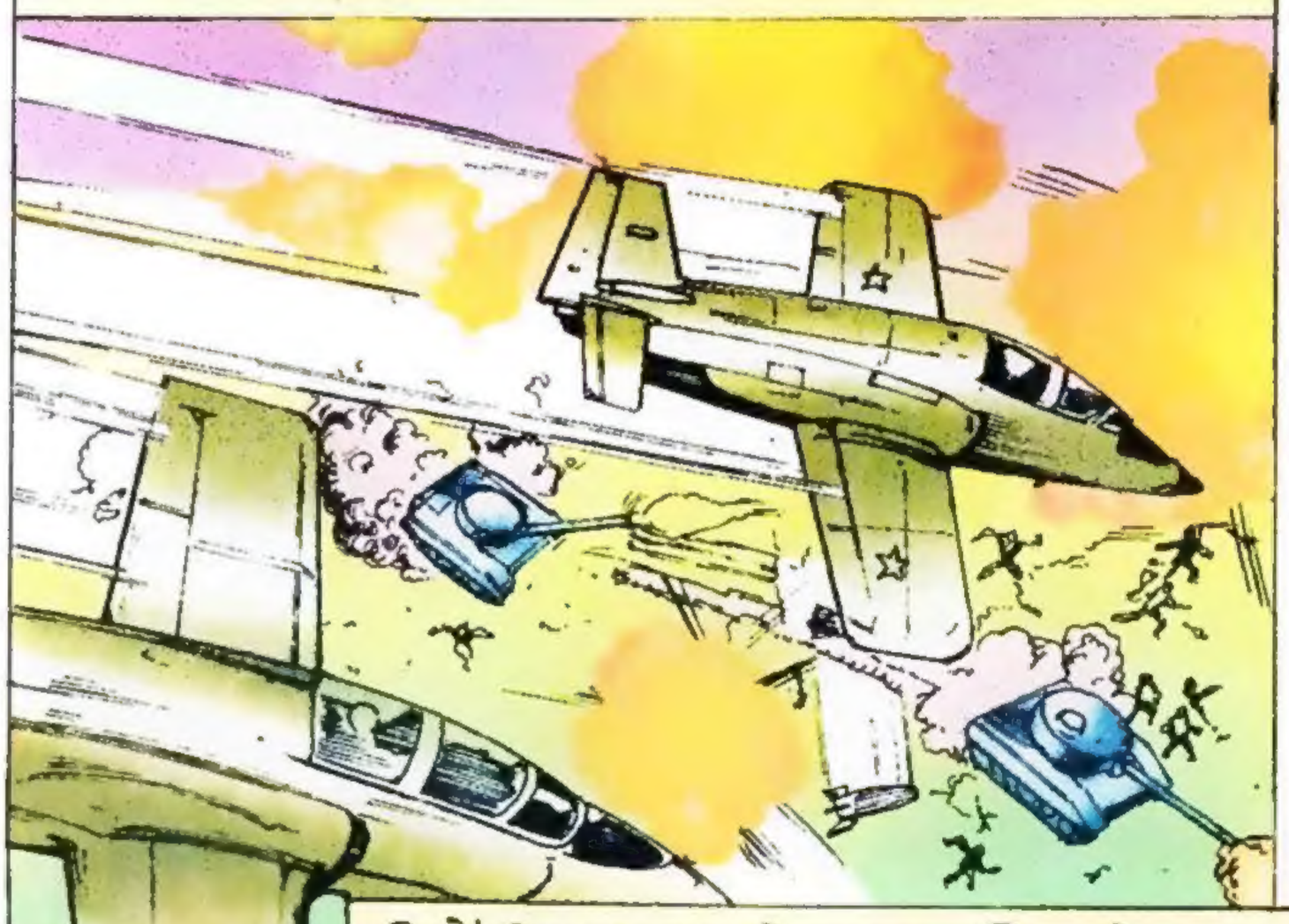

दिनों-दिन मानवता को बचाना मुश्किल हो गया। हर तरफ फैलने लगा अनाचार, पाप और अन्याय का घोर अंधकार।

इस अंधेरे के साम्राज्य में मानवता को अन्याय, अत्याचार से बचाने के लिए जन्म हुआ सूर्यांशी का।

© RAJA POCKET BOOKS

...स्वाहा!

यज्ञ की अग्नि में अन्तिम आहूति देकर...

...उठ खड़ा हुआ गंगाधर पूरे सम्मान से अपने गुरू के समक्ष झुक गया।

यशस्वी भवः परन्तु इसे समाप्ति मत समझना! यह तो प्रथम आहूति है उस महायज्ञ को समर्पित जिसे पूरा करने का तुमने संकल्प लिया है। परन्तु उस महायज्ञ से पहले तुम्हें एक यात्रा और भी करनी होगी!...

...पंच महातत्व को जाग्रत करने की यात्रा, समस्त ब्रह्माण्ड इन्हीं पंच तत्वों अग्नि, भूमि, वायु, जल और आकाश से निर्मित है। यही हर सजीव के निर्माण के कारक हैं। और ऊर्जा के स्त्रोत हैं। पृथ्वी की भी समस्त शक्ति इन्हीं पंच तत्वों में निहित है...

...तुम्हें भी इन्हीं से विशिष्ट शक्तियां अर्जित करनी हैं।

इसके लिए मुझे क्या करना होगा गुरुदेव?

विभक्त होना होगा! पंच महाभूतों में। तुम्हारी कुण्डलिनी शक्ति जाग्रत हो चुकी है!...

...अब तुम ऐसा कर सकते हो!

जाओ अग्नि में समा जाओ!

जो आज्ञा गुरूदेव!

गंगाधर ने अपना शरीर अग्नि को समर्पित कर दिया।

अग्नि ने अपने आगोश में समाकर गंगाधर के पंच तत्वों को विभक्त कर दिया।...

...जो निकल पड़े...

...भूमि...

...जल...

...अग्नि...

...वायु...

...और आकाश से विशिष्ट शक्तियां प्राप्त करने।

शीघ्र ही विशिष्ट शक्तियां अर्जित करके वापस लौटे वे पंच तत्व एक बार फिर अग्नि में जा समाये ...

...और एक मानव को एक ऐसे महा मानव का रूप प्रदान करते चले गए...

...सूर्य जिसके सीने पर...

... आकाश जिसकी कलाइयों में...

...जल जिसके वस्त्रों में ...

... वायु जिसकी कमर पर...

और मन में वास करती है सत्य, पुण्य और मनुष्य का कष्ट हरने की पवित्र भावना।

चारों दिशाओं, धरती, आकाश और अन्तरिक्ष इस जगत के जीव जन्तु! भूत, भविष्य, वर्तमान और अंधकार से लड़ने वाली हर किरण को साक्षी मानकर मैं प्रण करता हूं कि आज से मेरा उद्देश्य पृथ्वी को पाप से छुटकारा दिलाने और तमराज किलविष और उसके अनुयायियों का ही अन्त मेरा प्रमुख लक्ष्य होगा।

वह प्रण करके वह महा योद्धा...

...और भूमि जिसके कदम में वास करती है।

...आ पहुंचा पाप और दुराचार के पीछे अंधाधुंध भागती उस दुनिया में...

...जहां उसकी जरूरत थी-

...और हर जरूरत वाली जगह पर पहुंचना उसका कर्तव्य था –

अरे,इस पर तो गोलियां भी असर नहीं कर रहीं!...

...कौन है ये?

मेरा सुपर हीरो!

ना तो मैं कोई अवतार हूं,ना कोई फरिश्ता,बुराई का दुश्मन हूं,सच से है मेरा रिश्ता,दुश्मन मेरी बुराई है बुरे इंसान नहीं। मानोगे बात मेरी तो कोई नुकसान नहीं!...

...तुम जैसों को कानून के हवाले करना ही मेरा उद्देश्य है!

अन्याय और पाप के विरूद्ध लड़ने वाले सच्चाई के उस रखवाले का शहर में पहला कारनामा ही...

... चर्चा का विषय बन गया।

और उसे चर्चा का विषय बनाने वाली थी। सच लिखने और सच का साथ देने वाली दबंग पत्रकार गीता विश्वास!

वैल गीता! तुम उस सुपर हीरो की खबर छापो। लेकिन उसके बारे में छापने से पहले ये तो बताओ उसका नाम क्या है?

वह शक्ति का भण्डार है। सर, मेरे ख्याल से उसे शक्तिमान कहना ठीक होगा!

शक्तिमान शहर का रक्षक पाप का नाशक।

जिसे शक्तिमान के रूप की आवश्यकता नहीं होती तो तूफान की गति से घूमकर...

... बन जाता है —

पंडित गंगाधर विद्याधर मायाधर ओंकार नाथ शास्त्री।

...उसके साथ ही पाप को फैलाने वालों का भी उदय हो रहा था।

और उनका निशाना बना था शहर का सम्मानित मेयर जयकुमार जर्नादन उर्फ जे. जे.।

अरे माथुर! ये मूर्ति यहां कौन रख गया?

सर, आप भूल गये शायद शहर के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति ने यह मूर्ति आपको उपहार में दी थी!

दोहरी जिन्दगी जीकर सत्य और पुण्य का प्रकाश फैलाने वाला यह महा मानव नहीं जानता था कि...

ओह याद आया लेकिन इस मूर्ति के गले में यह धागा कैसा पड़ा हुआ है?..

...हटाता हूं इसे!

मेयर जे॰जे॰ ने हाथ बढ़ाकर उस शैतानी मूर्ति केगले में मौजूद वह धागा तोड़ दिया।

और इसी केसाथ मानो गजब हो गयावहां आ गया वह शैतानी जलजला जिसने पहले जे॰जे॰के सैकेट्री माथुर को...

...फिर उसकी महिला मित्र माया को ...

...और फिर खुद जे॰जे॰ को अपना शिकार बना लिया।

अब तीनों शैतान बनकर एक ही स्वर में कह उठे।

अंधेरा कायम रहे!

पाप के अंधेरे का साम्राज्य कायम करने आये थे वे तीनों...

और उनका स्वामी था।

तमराज महामहिम किलविष तुम्हारे सामने है काकोदर ताकत कहो कैसे याद किया?

हमारे साथ-साथ एक अच्छाई का रहनुमा भी पैदा हो गया है महामहिम, किलविष और उसका नाम है।...

... शक्तिमान!

जो रूप तुम तीनों ने धारण किये हुए हैं उनका सावधानी से इस्तेमाल करो और आतंक से शक्तिमान का अन्त कर दो!

और अंधेरे का साम्राज्य एक बार फिर कायम कर दो।

अपने स्वामी के आदेश पर...

...अंधेरा कायम करने की कोशिश में जुट गए वे शैतान।

सारे शहर की लाइट गुल करके अंधेरा फैला दो!

...तो कमीबल से अपने घिनौने उद्देश्य को सफल करने में जुटे हुए थे वे अंधेरे के पुजारी।...

कभी छल से...

...जबकि अपनी बुद्धि अपनी इच्छाशक्ति...

HIGH V

...और अपनी पंचशक्तियों के साथ उजाले को बचाये हुए था...

...वह रोशनी का उपासक –

लेकिन कुछ शैतानों को खत्म करके उसकी महायात्रा खत्म नहीं हो गई थी –

अभी तो उसे बहुत लम्बा सफर तय करना था और उसके लिए शहर में गंगाधर के रूप में स्थापित होना जरूरी था-

और ऐसा करने के लिए उसने सहायता ली 'आज की आवाज' नामक अखबार की रिपोर्टर गीता विश्वास की–

तुम्हारी नौकरी पक्की, आज से तुम आज की आवाज के विशेष फोटोग्राफर हो!

धन्यवाद देवी जी, हमारी आने वाली पुश्तें सदा आपकी अभारी रहेंगी!

आज की आवाज का फोटोग्राफर बनकर...

...गीता विश्वास जैसी निर्भीक पत्रकार के साथ रहकर...

... शक्तिमान को अपना उद्देश्य अपनी यात्रा पूरी करने में और भी ज्यादा आसानी होने लगी–

और ज्यों-ज्यों शक्तिमान के कारनामें बढ़ रहे थे

बच्चे-बच्चे की जुबान पर उसका नाम चढ़ रहा था-

शक्तिमान! शक्तिमान!

शक्तिमान हमारा रक्षक!

हमारे रखवाले शक्तिमान को लम्बी उम्र देना भगवान!

जहां शहर में शक्तिमान को चाहने वाले बढ़ रहे थे...

...वहीं उसकी मदद से फायदा उठाने वाले भी बढ़ रहे थे।

और उनमें से महत्वपूर्ण थे कुछ वस्तुओं के उत्पादक...

शक्तिमान डॉल यहां मिलती है।

शक्तिमान की ड्रैस यहां उपलब्ध है।

...और शहर में छोटी-मोटी चोरियां करने वाली यह चोर मंडली जिसका संचालन करते थे शालू और और हटेली –

अगर शक्तिमान अपने साथ मिल जाये तो अपुन को छोटा-मोटा हाथ मारने की जरूरत नहीं पड़ेगा। उसकी मदद से हम बड़ा हाथ मारकर रातों-रात करोड़पति बन जायेंगे !

बात तो तू ठीक कह रहा है हटेली लेकिन हमें शक्तिमान की मदद मिलेगी कैसे?

अपुन लोग उसे अपने साथ काम करने की तगड़ी रकम की ऑफर करेगा !...

...और यह ऑफर शक्तिमान को देगी अपनी शालू।

ठीक है! मैं उससे बात करूंगी लेकिन...

...वह मिलेगा कहां ?...

...हम उसे कहां ढूंढेंगे ?

ये लारव टके का सवाल है। अपुन शक्तिमान को कहां-कहां ढूंढेगा ?

शक्तिमान को ढूंढने के लिए शालू और हटेली को कहीं जाने की आवश्यकता नहीं थी वह उन्हें इसी शहर में मिलने वाला था-

क्योंकि शहर के इस हिस्से में शक्तिमान की जरूरत पड़ने वाली थी।

हमें वही आइसक्रीम चाहिए अभी के अभी चाहिए।

नो राजू नो हमने मना किया ना!

देखो आया आण्टी! मेरे को चुपचाप वह आइसक्रीम लाकर दो वरना पापा को बोलकर अंदर करवा दूंगा!

मालूम है योअर पापा इज़ दी कमिश्नर ऑफ पुलिस बटआई सेड नो दैन इट मीन्स नो!

अरे!

कमिश्नर के बेटे को प्यार से डांटती आया को अचानक पीछे से गूंजी उस आवाज ने चौंकाया—

जो उस वैन के टायरों के चरमराने की आवाज थी। जिसका दरवाजा एक झटके से खुला और...

...पलक झपकते ही कमिश्नर के बेटे को दबोच लिया—

आया आण्टी!

...बगोले की तरह वैन से निकले उस नकाबपोश ने...

अरे, ये क्या कर रहे हो?

छोड़ो हमारे बाबा...

...को! आह!

हट पीछे!

आया को धक्का देकर...

...नकाबपोशों ने कमिश्नर के बेटे को तुरन्त ही वैन में डाला और ...

कोई आगे बढ़ा तो मारा जायेगा!

मैं तुम्हें बच्चे को नहीं ले जाने दूंगी..

...छोड़ दो उसे!

...शूट हर!

तड़ तड़ तड़ तड़

तड़ तड़

लगता है यह हमारा पीछा तब तक नहीं छोड़ेगी। जब तक इसकी जान इसका शरीर नहीं छोड़ देगी...

ढेरों गोलियां एक निर्दोष को छलनी करने बढ़ चलीं।

पहले इसे गोलियों से भून डालो !

तड़ तड़ तड़ तड़तड़ तड़

इधर बारिश में बरसते ओलों की तरह बरसी गोलियां —

लेकिन एक भी गोली उस तक पहुंच पाती उससे पहले ही वहां आ पहुंचा।

शक्तिमान !

निर्दोषों का खून बहाने का तुम्हारा यह शौक आज तुम्हें जेल लेकर जायेगा !

ये तो शक्तिमान है !

और इधर उठा शक्तिमान का हाथ —

दूसरे ही पल —

गोलियां शक्तिमान के हाथ में समाती चली गईं —

और तब तक समाती रहीं —

...जब तक बरसनी बंद नहीं हो गई-

ओह।गोलियां खत्म !

हम इससे मुकाबला नहीं कर सकते भागो।

...गियर डाला-

धड़

तुरन्त ही वैन स्टार्ट हुई...

लेकिन वैन आगे न बढ़ पाई...

...बढ़ती भी तो कैसे...

...शक्तिमान के शक्तिशाली हाथों ने उसे रोक जो रखा था।

जो लोग उल्टे रास्ते पर चलते हैं...

कहानी 19 पेज से आगे

राज कॉमिक्स पेश करते हैं

शक्तिमान

व पंडित गंगाधर विद्याधर मायाधर ओंकारनाथ शास्त्री और विलेन्स के शानदार आठ पोस्टर

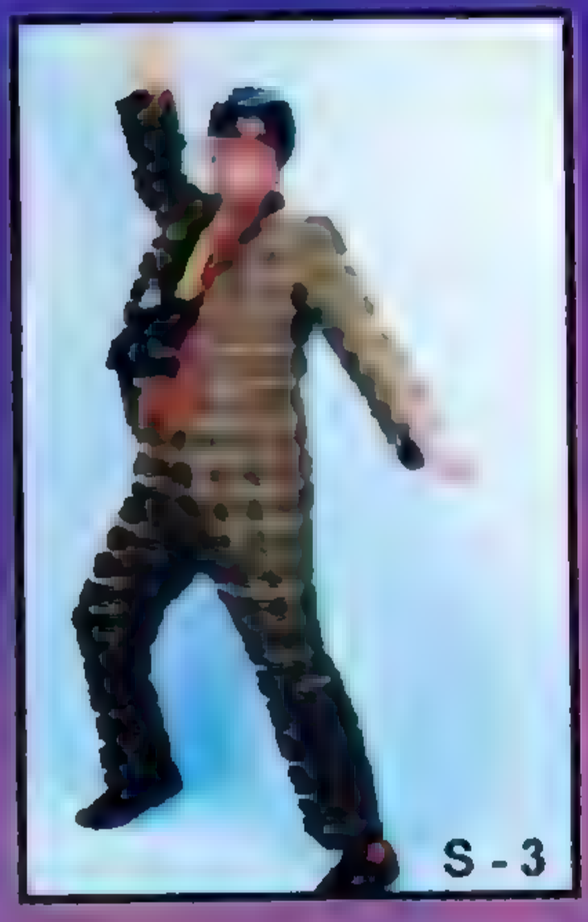

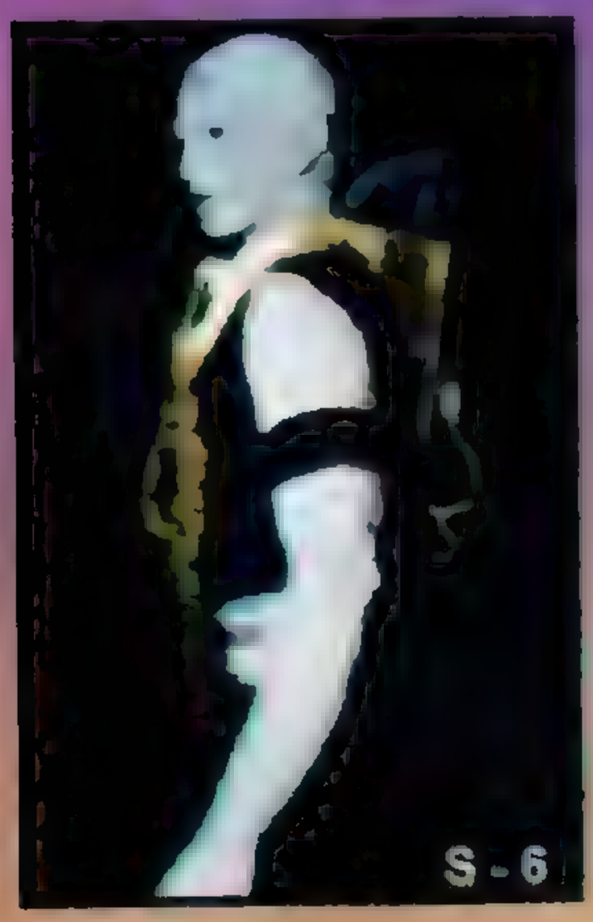

प्रत्येक पोस्टर 11 इंच X 17.25 इंच में

प्रत्येक का मूल्य 5/-

*योजना:-आठों पोस्टर डाक द्वारा मंगाने के लिए **40** रुपये का मनीआर्डर भेजें। आठों पोस्टर मंगाने पर नागराज का एक पोस्टर मुफ्त। मनीआर्डर के निचले हिस्से में अपना नाम व पता साफ-साफ लिखें व लिखें 'मुझे शक्तिमान के आठों पोस्टर भेजें जाएं।'*

पता: नागराज नावल्टीज, 330/2 बुराड़ी, दिल्ली-110084.

- भारतीय संस्कृति की ज्ञान गंगा में नहाएं
- पौराणिक सम्पदा को अपने घर में सजाएं
- नई पीढ़ी के स्वर्णिम निर्माण के लिए पढ़ें और पढ़ाएं

राज चित्रकथा

की गौरवशाली बारह नई चित्रकथाएं

- राम
- द्वारिकाधीश कृष्ण
- अर्जुन का बनवास
- नीलकंठ शिव
- लक्ष्मण
- वासुदेव कृष्ण
- भीम
- सती
- पार्वती
- बलराम
- सूर्यपुत्र कर्ण
- पवनपुत्र हनुमान

प्रत्येक का मूल्य 15/-

सभी चित्रकथाएं आपके शहर के समस्त बुक स्टालों पर उपलब्ध हैं । न मिलने पर कोई भी चार चित्रकथाएं मंगाने के लिए 60/- का मनीआर्डर निम्न पते पर भेजें। चारों चित्रकथाएं आपको रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा भेज दी जाएंगी । मनीआर्डर के निचले हिस्से पर कॉमिकों के नाम लिखकर भेजें ।

...उनकी गाड़ियां भी उल्टी ही होनी चाहिए !

धड़ाम

तभी पुलिस भी वहां आ पहुंची ।

ए शक्तिमान क्या हुआ?

कुछ नहीं। इस गाड़ी और इसकी सवारियों को मरम्मत की जरूरत है! मुझे यकीन है...

...आप ये काम अच्छी तरह कर सकते हैं !

इंस्पेक्टर साहब! इन लोगों ने मुझे किडनैप किया था शक्तिमान ने मुझे बचाया !

ओह! ये बात है! थैंक्यू शक्तिमान...

... अब मैं इन्हें देख लूंगा !

इंस्पेक्टर अपहरणकर्ताओं की तरफ ओर...

कहानी 19 पेज से आगे

... शक्तिमान अपनी अगली मंजिल की तरफ बढ़ गया।

लेकिन अपनी मंजिल की तरफ बढ़ गया शक्तिमान क्या जानता था कि...

... उसकी बहादुरी उसका अदम्य साहस उसका अद्वितीय कारनामा किसी के दिलो-दिमाग में घर कर गया है!

शक्तिमान यु आर ग्रेट!

यह शालू थी जो अपने साथी हटेली के साथ वहां मौजूद थी।

शक्तिमान! शक्तिमान! शक्तिमान! पता नहीं इस शक्तिमान में ऐसा क्या धरेला है कि जब से तुम इधर आयेला है ना! उसी का राग अलाप लेयेला है!

हटेली, आज मुझे पता चल गया है कि शक्तिमान क्या चीज है। ही इज ग्रेट हटेली! ही इज रियली ग्रेट। उसने तीन-तीन मशीन गन्स की गोलियों को हाथों से पकड़ लिया!

आज पहली बार मैंने ऐसा करिश्मा देखा है

ओह! लवशट फर्स्ट साइट! पहली बार उसे देखते ही फ्लैट हो गई!

ओह! शटअप हटेली, ऐसी कोई बात नहीं है।

मेरे को मालूम क्या बात है! इसी बात पर अर्ज किया है।...

...तुम मर मिटी हो जिस पर पहली मुलाकात में,दुबारा मिली तो ले जायेगा सीधा हवालात में! आदाब!

ओह! हटेली,कहा ना ऐसी कोई बात नहीं है।

तो फिर कैसी बात है ?

ऐसी-वैसी कैसी भी कोई बात नहीं है !

अरे,जब ऐसी वैसी कैसी भी कोई बात नहीं है तो शक्ति मान से अपने बारे में बात काहे को नहीं किया। तू तो उससे अपून के साथ मिलकर धंधे की बात करने को बोलने वाली थी ना!

मैं... मैं... वही करने वाली थी।लेकिन इससे पहले मैं उससे कुछ पूछती वो जुम्मे से गायब हो गया! लेकिन अगली बार जब वह मुझको मिलेगा ना तो हम उससे बिजनेस की बात कर लेंगे !

ऐसा कैसे होईगा ?

उसका तरीका मुझे पता चल गया है! शक्तिमान हमेशा मजलूमों की मदद करता है !...

...इस बार वह जैसे ही किसी की मदद करने आयेगा मैं उससे बात कर लूंगी।

लेकिन इसके लिए तो तुम्हें हर उस जगह जाना होगा जहां कोई मुसीबत में हो,कहीं इस चक्कर में तुम भी मुसीबत में फंस गई तो?

तो क्या हुआ, मैं उसके लिए आ·आई मीन शक्तिमान के लिए कुछ भी कर सकती हूं !

शक्तिमान के जिन कारनामों ने यहां प्यार की चिंगारी सुलगा दी थी ...

...उन्हीं कारनामों ने यहां नफरत का ज्वालामुखी भड़का दिया था।

नहीं ! गिरगिट ! ...गिरगिट की मौत का जिम्मेदार कोई ओर नहीं शक्तिमान है !

...सिर्फ शक्तिमान याऽऽ !

जे॰ जे॰ साहब ! सब्र से काम लीजिये !

नहीं ! अब मेरे सब्र की इन्तिहा खत्म हो चुकी है ! इस जे॰ जे॰ के शरीर को ढ़ोहते हुए मुझे आज तक सब्र से ही काम लेना पड़ा नहीं तो...नहीं तो काकोदर के लिए शक्तिमान को खत्म करना एक चींटी को मसलने के बराबर है लेकिन...

...जे॰ जे॰ के रूप में सफेदपोश बनकर रहना यही काकोदर की मजबूरी है इसी मजबूरी का फायदा उठाकर शक्तिमान हमारी छाती पर मूंग दलता रहा है लेकिन...

...नहीं ! नताशा नहीं, अब वक्त आ चुका है। अब मुझे काकोदर के रूप में शक्तिमान की मौत बननना ही पड़ेगा !

जे॰ जे॰ साहब ! आप गुस्से में अपने होशो हवास खो बैठे हैं। आपका काकोदर बनना महामहिम किलविष के हुक्म के खिलाफ होगा।

शक्तिमान का जिन्दा रहना भी तो उनके हुक्म के खिलाफ है!

नहीं! क्योंकि शक्तिमान के खात्मे के लिए अगर आपका काकोदर बनना जरूरी होता तो वो आपको इसका आदेश दे चुके होते! जे.जे. साहब, आप सम्राट किल विष के उस उद्देश्य को भूल रहे हैं। जिसके लिये उन्होंने आपको आजाद किया!..

... आपको सफेदपोश बनकर ही अंधेरा फैलाना होगा जे.जे. साहब!

लेकिन सफेदपोश रहकर हम शक्तिमान को कैसे मार सकते हैं। गिरगिट का शक्तिमान के हाथों खत्म होना हमारे लिए एक बहुत बड़ी मात है...

आवाज की दिशा में पलटते ही जमाने भर की हैरानी उसके चेहरे पर अठखेलियां करने लगी...

... और उसकी इस हैरानी का कारण था फर्श पर गिरगिट का पड़े होना...

... आखिर कब तक चलेगा शक्तिमान के हाथों शिकस्त खाने का यह सिलसिला

ओह!

आह!

आह!

अचानक पीछे गूंजी उस आवाज ने काकोदर उर्फ जे.जे. को चौंकाया —

जो धीरे-धीरे धारण करता जा रहा था...

...उस इंसान का रूप जिसका नाम था...

माथुर ! तुम जिन्दा हो ?

तो क्या तुम शक्तिमान को पीठ दिखाकर भाग गये थे ?

हा हा हा !

नहीं ! मैं तो आखिरी सांस तक शक्तिमान से लड़ना चाहता था लेकिन उसने मेरी मायावी जीभ तोड़-कर मुझे शक्ति हीन कर दिया था और... ...दूर अंतरिक्ष में फेंक दिया था।

ओह ! लेकिन शक्तिमान चाहता तो तुम्हें मार भी सकता था !

हां, लेकिन जाने उसने मुझे क्यों नहीं मारा !

शक्तिमान ने ऐसा क्यों किया ?

उस सवाल ने जे • जे • उर्फ काकोदर को गहरी सोच में डाल दिया —

और ना जाने वह कब तक उसी सोच में ही डूबा रहता अगर नताशा ने बोलकर उसे सोच के उस भंवर से बाहर ना निकाला होता —

हमें हर हाल में शक्तिमान को मारना है और इसके लिए आपको मिलना ही होगा। ...

"...तमराज किलविष से।"

अंधेरा कायम रहे!

अंधेरा कायम रहे!हा हा हा!

चट्टानों के भी कलेजे को कंपा देने वाला वह ठहाका लगाकर अंधेरे का सम्राट किलविष...

...काकोदर उर्फ जे·जे·की तरफ पलटा।

काकोदर ताकत! तुमने ताकत को ही नहीं समझा अब तक। तुम्हें पता है सिर्फ अपनी ताकत का और यही है वजह शक्तिमान से तुम्हारी मात की!

दुश्मन की ताकत को समझे बगैर उस पर हमला बोल देना सरासर बेवकूफी है।...

म...मतलब?...

...मैं समझा नहीं महामहिम!

जंग से पहले दुश्मन की ताक़त को जानना बहुत जरूरी होता है काकोदर !

यानी सबसे पहले हमें शक्तिमान की शक्तियों को जानना चाहिए !

हां ! तभी जान पाओगे शक्तिमान की कमजोरियां याद रखो ! उसकी कमजोरी को जाने बिना तुम कभी भी उसे मात नहीं दे पाओगे इसलिए...

...तुम्हें करना है शक्तिमान का शक्ति परीक्षण और इसके लिए तुम्हें लगानी होगी अपनी पूरी ताकत क्योंकि...

...शायद दूसरा मौका नहीं मिले तुम्हें।

इस बार या तो तुम शक्तिमान की मौत की खबर सुनाओगे या फिर अपनी मौत के लिए तैयार रहोगे, समझे !

जी...जी! महामहिम !

काकोदर उर्फ जे॰जे॰ को पसीने से भर आये अपने चेहरे को पोंछता छोड़कर...

शुरू करना होगा मुझे मौत का खेल! शक्ति परीक्षण

...शक्तिमान का शक्ति परीक्षण !

फिर किलविष अदृश्य होता चला गया।

शक्तिमान की शक्तियों को जानने के लिए काकोदर उर्फ जे॰जे॰ ही नहीं...

... आज की आवाज अखबार का चीफ एडीटर भी उतावला था –

हमारा मकसद भी यही है। शक्तिमान की शक्तियों को जानना ये हमारी जिम्मेदारी भी है क्योंकि शक्तिमान के बारे में हमने अब तक जो कुछ भी छापा है वो सब साबित हो चुका है! शक्तिमान एक हीरो है। जिसने हमें कई विलेनों से बचाया है। लेकिन क्यों ये सवाल आज भी बाकी है। जिसका जवाब जानने के लिए हमारे पाठक आज भी उत्सुक हैं।

सर, ये हम कैसे कह सकते हैं कि शक्तिमान ने हमें बचाया है। हो सकता है उसने खुद अपने आपको बचाया हो!

सुधांशू का कहना सही है सर, क्योंकि शक्तिमान से पहले ना तो हमें इलैक्ट्रिक मैन और कपाला जैसे लोग नजर आये ना इस शहर पर कभी तेजाब की बारिश हुई और ना कभी स्टोनमैन ने किसी सांताक्लाज को किडनैप करने की कोशिश की।

जरूर उनकी शक्तिमान से कोई रंजिश है!...

... वरना आम लोगों से उनकी क्या दुश्मनी हो सकती है!

मैं नहीं मानती। शक्तिमान से उन लोगों की क्या दुश्मनी हो सकती है?

गीता विश्वास के उस विरोध पर...

अब तक चुप बैठा गंगाधर तपाक से बोल उठा –

हम जानते हैं! हम जानते हैं कि शक्तिमान भैया से उन दुष्टों की क्या शत्रुता हो सकती है!...

... वास्तव में बात यह है कि बाल्यावस्था में शक्तिमान भैया उनके और हमारे साथ गुल्ली-डण्डा अर्थात 'पिठ्ठी डांडू' खेला करते थे ...

एक दिन क्या हुआ, संध्या का समय था। खेलते-खेलते अचानक शक्तिमान भैया को ना जाने क्या सूझी कि वे गिल्ली लेकर भाग गये, बस तब से ये दुष्ट लोग डण्डा लेकर शक्तिमान भैया के पीछे पड़े हैं!...

...और तब से वे शक्तिमान भैया के पीछे दौड़ते रहते हैं...

...दौड़ते रहते हैं।

वो तो ठीक है लेकिन आप अपनी अक्ल के पीछे डण्डा लेकर क्यों पड़े रहते हो गंगाधर जी?

देखिए गीता विश्वास जी, लगता है आप को हमारी बातों पर विश्वास नहीं है। कोई बात नहीं जब शक्तिमान भैया मिलें तो उनसे स्वयं पूछ लीजियेगा ये सब उसी गिल्ली का प्रताप है कि शक्तिमान भैया के पास ऐसी अद्भुत शक्तियां हैं।

यही तो सबसे महत्वपूर्ण सवाल है कि...

...शक्तिमान के पास कितनी शक्तियां हैं और वह उससे क्या-क्या कर सकता है? क्या-क्या नहीं कर सकता?

लेकिन यह जानने के लिए तो हमें सारे काम छोड़कर शक्तिमान के पीछे लग जाना पड़ेगा!

तो लग जाओ! ये आर्टिकल जितनी जल्दी हो सके तैयार हो जाना चाहिए जिसका शीर्षक होगा!...

...शक्तिमान की शक्तियां...

ओ.के सर! मैं अभी इस आर्टिकल पर काम करना शुरू कर देती हूं!

इस लेख में आप गिल्ली-डण्डे का उल्लेख निसंकोच कर सकती हैं देवी जी, हमें कोई आपत्ति नहीं होगी। उल्टा हम तो आपको इस लेख में सम्पूर्ण सहयोग करने को तैयार हैं।

ओ! यू मीन यू वांट टू अस्सिट मी!

यस! यस! यदि आप हमें इस लेख में सहयोगी बनाना स्वीकार करेंगी तो हम आपको शक्तिमान भैया के बारे में बहुत कुछ बता सकते हैं। हम सचमुच शक्तिमान भैया के साथ गिल्ली डण्डा खेले थे। ...

... केवल हम जानते हैं कि शक्तिमान भैया की शक्ति का राज क्या है!

अच्छा! जरा बताइये तो सही!

तो सुनो, शक्तिमान की शक्ति का राज है धोबी छाप नहाने का साबुन। कम घिसे ज्यादा चले! दाम में कम, काम में दम!

ओऽहो। तो धोबी छाप साबुन से नहाने से शक्तिमान जैसी शक्ति आ जाती है।

जी हां!

देखिए गंगाधर महोदय, शक्तिमान की शक्ति का राज जानने में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं सिर्फ यह जानना चाहती हूं कि इस शक्तिमान में कितनी शक्ति है और कौन-कौन सी शक्ति है। यू अण्डर स्टैण्ड।

अण्डर स्टैण्ड! अण्डर स्टैण्ड!

हम जानते हैं सबलोग शक्तिमान की शक्ति के बारे में जानने में विश्वास रखते हैं। हमारे देश का दुर्भाग्य यही है कि लोग दूसरों की शक्ति को जानने और पहचानने का प्रयास करते हैं! कोई ऐसा नहीं है जो अपनी शक्ति को जानने, पहचानने और...

...उसे बढ़ाने का प्रत्यन करे।

भाषण अच्छा था लेकिन मुझे इससे कोई मतलब नहीं है क्योंकि मेरा दिमाग इसी उधेड़बुन में लगा है कि आखिर किस तरीके से शक्तिमान की शक्तियों का पता लगाया जाए!

वाह गंगाधर जी वाह!

क्या स्पीच देते हैं आप!

शक्तिमान की शक्तियों को जानने का जो तरीका गीता विश्वास का साधारण दिमाग नहीं सोच पा रहा था।...

...उसे काकोदर उर्फ जे॰ जे॰ के शैतानी दिमाग ने सोच लिया था।

हा हा हा। शक्तिमान की शक्तियों का इम्तिहान लेने की पूरी तैयारी हो चुकी है। और उसकी शुरुआत होगी...

"... इस इलाके के पुलिस स्टेशन से।

क्या ? सरकारी अस्पताल में बम !

ओह नो ! सरकारी अस्पताल में बम !

अस्पताल में बम !

पैट्रोल पर लगी आग की तरह फैलने वाली यह खबर ...

... जल्द ही शक्तिमान तक पहुंची –

ओह ! सरकारी अस्पताल में बम मुझे तुरन्त ही लोगों की सहायता के लिए पहुंचना होगा...

"... सरकारी अस्पताल"

HOSPITAL

अस्पताल

हवा का झोंका बना अस्पताल में प्रवेश करता चला गया शक्तिमान।

और उस दृश्य को देखकर सैकड़ों हीरों सी चमक दौड़ गई अंधकार के उस पुजारी की आंखों में।

तुरन्त ही उसके हाथ में थमे रिमोट का स्विच दबा —

अगले ही क्षण।

शहर का वह हिस्सा उन गगन भेदी धमाकों से गूंज उठा...

धड़ाम

... जिन्होंने सरकारी अस्पताल की बुलंद इमारत के परखच्चे उड़ाकर...

...उसे राख के ढेर में बदल दिया...

...लेकिन सरकारी अस्पताल की इमारत को राख बना देने वाले वे धमाके...

...मानवता के उस रक्षक, मजलूमों के उस दोस्त का कुछ नहीं बिगाड़ पाये थे...

"...जिसका नाम था..."

"...शक्तिमान"

काकोदर उर्फ जे•जे• के अधरों पर खेलती शैतानी मुस्कान और भी गहरी हो गई —

पहले इम्तिहान में तो हम दोनों ही कामयाब रहे अब बारी है दूसरे इम्तिहान की...

...और इस इम्तिहान के लिए मैंने जगह चुनी है...

...हिमालय पर्वत की बर्फ से ढकी ये चोटियां !

अब हमें पता चल सकेगा कि शक्तिमान को यहां से सैकड़ों मील दूर होने वाले हादसे का पता चल भी सकता है या नहीं। और यह पता हमें तब चलेगा जब इन बर्फीली चोटियों में आयेगा...

... भयानक तूफान !

भूऽऽऽऽम

इधर काकोदर उर्फ जे॰जे॰ के हाथ में थमें रिमोट का एक अन्य स्विच दबा।...

...और उधर हिमालय की बर्फीली चोटियों में वह विनाश लीला शुरू हो गई।

कड़ऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽ

और बर्फीली चोटियों से शुरू होने वाली यह विनाश लीला...

... मैदानी क्षेत्रों को लीलने बढ़ रही थी।...

... आंधी की सी तेजी से...

गड़ऽऽऽऽऽऽ

... लेकिन अचानक उस आंधी से आ टकराया वह तूफान...

कड़ऽऽऽऽऽऽऽ

...जो निकल रहा था शक्तिमान के मुंह से...

...जिसने उस विनाश का मुंह मोड़ दिया था।

हैऽऽऽऽऽऽऽ

लगातार आगे बढ़ती उस कयामत को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया था।

शक्तिमान की शक्तियों का यह एक बेमिसाल कारनामा था...

...जिसकी तारीफ शक्तिमान के दुश्मन के मुंह से भी निकली।

स्मार्ट ! वैरी स्मार्ट।

...लेकिन अभी यह इम्तिहान खत्म नहीं हुआ है...

...अभी तो देखना बाकी है कि...

...शक्तिमान हिमाचल के इन पहाड़ों से...

...कर्नाटक के इन जंगलों में कितने टाइम में पहुंच सकता है।

नताशा ! इस इम्तिहान की शुरूआत तुम करो !

...और दबा दिया वह स्विच...

...जिसने कर्नाटक के इन जंगलों में लगा दी...

...आग।

वरुम भक क

चुड़ैल की तरह मुस्कराते हुए नताशा ने रिमोट सम्भाला...

नरक की आग से मुकाबला करने को लपलपा रही थी वह जंगल की आग।...

...जिसकी तपिश शीघ्र ही शक्तिमान ने महसूस की।

ओह!

...और उस आग की तपिश महसूस करने के बाद...

...शक्तिमान ने तुरन्त ही वह विशाल बर्फीली चट्टान उठाई।...

...और उसे लेकर तूफान की भी गति को मात करके उड़ चला उधर...

... जहां आग की लपटें आसमान को छूने को तत्पर थीं।

ओह!

बिना कोई क्षण गंवाये शक्तिमान ने उछाल फेंकी वह विशाल बर्फीली चट्टान।

पलक झपकते ही आग साबुन के झाग की तरह बैठती चली गई।

और जैसे-जैसे वह आग बैठती जा रही थी...

...वैसे-वैसे शक्तिमान के दुश्मनों का दिल बैठता जा रहा था।

हमारा यह वार भी नाकामयाब हो गया जे॰ जे॰ साहब!

नहीं माथुर...

...हमारा यह वार बिल्कुल कामयाब हुआ है। इससे कम से कम यह तो पता चलता है कि समुद्र की तूफानी लहरें भी शक्तिमान का कुछ नहीं बिगाड़ सकतीं!

इसका मतलब। वो हर वार से बच सकता है!

एक जेक्टली! इसलिए उसे बाहर से खत्म करने की कोशिश करने से बेहतर होगा कि उसे अंदर से खत्म किया जाए!

जहर! काकोदर का जहर!...

एक ऐसा घातक जहर है काकोदर का कि एक पेड़ पर फूंक दे तो सारा जंगल जहरीला हो जाये। और अगर समुद्र में फूंक देतो समुद्र का सारा पानी जहर बन जाए। इसी जहर से मौत होगी शक्तिमान की!...

...देखना चाहते हो काकोदर के जहर से शक्तिमान का विनाश कैसे होगा।

तुरन्त ही काकोदर अपने असली रूप में आया।

हा हा हा

और –

फुऽऽऽ

काकोदर के हलक से वह जहरीली फुंफकार निकलकर सामने रखे पौधे से टकराई ।

एक क्षण बाद ही ।

वह हराभरा पौधा जहर के प्रभाव से ऐसे झुलसता चला गया जैसे उस पर कभी हरियाली आई ही नहीं थी ।

इधर वहशी ठहाका लगाते काकोदर ने अपने हाथ में उठा लिया एक गिलास और फिर ।

हैं हैं हैं

गिलास में उगल दिया उसने अपना जहर...

...और फिर वापस जे॰ जे॰ के रूप में आकर जहर भरे उस गिलास को माथुर की तरफ बढ़ा दिया ।

इस जहर का एक अंश सैकड़ों जिन्दगियों के दिलों की धड़कनें बंद कर सकता है! शक्तिमान इस जहर से नहीं बच सकता !...

...और यह जहर शक्तिमान के शरीर में पहुंचे कैसे ?

...इसका तरीका तुम्हें सोचना होगा माथुर !...

...तुम्हें इस जहर को शक्तिमान के खून में उतारना होगा !

गिरगिट उर्फ माथुर को जिस मौके की तलाश थी वह उसे जल्द ही मिलने वाला था क्योंकि...

... शहर के एक हिस्से में हो रहा था शक्तिमान फैन क्लब का उद्घाटन।

और यह सब कर रहे थे वे बच्चे जो शक्तिमान को दिलो जान से चाहते थे और उन्हें इकट्ठा करने वाला था।

अप्पू! क्या तुम्हें पक्का मालूम है कि शक्तिमान जरूर आयेगा।

हैन्डरेड परसेंट, मैंने शक्तिमान से वादा लिया था कि वह हमारे फैन क्लब की ओपनिंग में जरूर आयेगा!

याद रखना अप्पू अगर शक्तिमान नहीं आया तो मैं अपने इस केक के पैसे तुमसे ले लूंगा। क्योंकि मैंने ये केक स्पेशयली शक्तिमान के लिए बनवाया है। अगर वो नहीं आया तो मेरा केक तो बेकार जायेगा ना!

कोई बात नहीं! अगर शक्तिमान नहीं आया तो ये केक मैं खा लूंगा। तेरा केक वेस्ट नहीं होने वाला!

देखो अगर शक्तिमान ने अप्पू से बोला है कि वो आयेगा तो जरूर आयेगा! इसलिए अब बहस करने में टाइम वेस्ट मत करो और हॉल को सजाने में मेरी मदद करो।

ठीक है! मैं इस केक को अन्दर रखकर आता हूं!

केक को अन्दर रखकर वापस लौटता गिरीश क्या जानता था कि उसके केक पर जमी हुई थी उसकी शैतानी नजर...

...जो और कोई नहीं शैतान गिरगिट उर्फ माथुर था।...

... जिसे ना कोई अन्दर पहुंचने से रोकने वाला था-

...और ना ही केक में काकोदर का जहर मिलाने से।

बच्चों ने इस को सबसे पहले शक्तिमान को खिलाने की सोची हुई है।

जैसे ही शक्तिमान इस केक को खायेगा इसमें मिला यह जहर...

... उसे सीधा ऊपर पहुंचा देगा!

FAN CLUB

FANCLUB

जहर को केक में मिलाकर ...

... गिरगिट उर्फ माथुर तुरन्त ही वहां से बाहर निकल आया।

सब काम बड़े आराम से हो गया। किसी को ना कुछ पता चला है और ना चलेगा।

अपने अंजाम दिये कारनामें पर खुश होता पार्किंग में खड़ी अपनी कार की तरफ लौटता गिरगिट उर्फ माथुर क्या जानता था कि ...

होनी को कुछ और ही मंजूर था। तभी तो शालू चोरी करने उसी की कार में घुस रही थी।

क्या गाड़ी है! अन्दर माल भी अच्छा मिलेगा!

किसी भी ताले को चुटकियों में खोलने में माहिर शालू।

एक पल बाद ही गाड़ी के अंदर थी।

गाड़ी में माल तो खूब है! और जब माल खूब है तो पैसे भी खूब मिलेंगे।...

... चल शालू हो जा शुरू!

लेकिन शालू कुछ कर पाती उससे पहले ही।

मर गई शालू! गाड़ी का मालिक इधर ही आ रहा है!...

...अब क्या?

यहां से निकलने का मौका नहीं है छिप जा शालू। बाद में मौका मिलते ही निकल भागियो।

शालू तुरन्त ही कार की सीटों के बीच में छिप गई।

कार के ड्राइवर को उसका पता ही नहीं चला।

फंस गई ना शालू अब पता नहीं ये गाड़ी कहां जाकर रुकेगी!

गाड़ी ज़े॰ जे॰ के घर पर जाकर रुकी।

मेयर हाउस! ये तो मेयर का घर है!...

...जल्दी बाहर निकल शालू! यहां तो तगड़ा माल हाथ लग सकता है!

तगड़े माल की तलाश में मेयर हाउस के अन्दर घुसी शालू को।...

...जो सुनने को मिला, उसने उसके हाथ-पांव फुला दिये।

जी हां। जे॰ जे॰ साहब वो केक जो बच्चों ने स्पेशायली शक्तिमान के लिए बनाया है। मैंने उसमें जहर मिला दिया है। एक भी टुकड़ा शक्तिमान के मुंह तक पहुंच गया तो शक्तिमान वहां पहुंच जाएगा। जहां से कोई वापस नहीं आता।

माथुर! बहुत बड़े बेवकूफ हो तुम अगर वो केक पहले किसी ने चख लिया तो शक्तिमान को पता चल जायेगा कि उसमें जहर है!

ऐसा नहीं होगा जे॰ जे॰ साहब! मुझे पूरा यकीन है! कि वो केक शक्तिमान से पहले कोई नहीं चखेगा और शक्तिमान के खत्म होने के बाद...

...चाहे सारे के सारे बच्चे खत्म हो जायें हमें क्या फर्क पड़ता है।

ओह! माई गॉड! मुझे यह खबर तुरन्त शक्तिमान तक पहुंचानी होगी वरना...

...बहुत बड़ा अनर्थ हो जायेगा!

लेकिन बहुत देर हो चुकी थी क्योंकि शक्तिमान फैन क्लब पहुंच चुका था!

शक्तिमान आ गया! शक्तिमान आ गया!

कैसे हो दोस्तो!

देखो! मैंने कहा था ना कि शक्तिमान ने प्रॉमिस किया है। वो जरूर आयेगा! देखा, आ गया ना शक्तिमान!

शक्तिमान सबसे पहले तुम्हें रिबन काटना पड़ेगा।

और फिर उसके बाद में काटना होगा गिरीश का केक!...

...गिरीश की मम्मी ने यह केक स्पेशयली आपके लिए बनाया है।

शालू जान छोड़कर भाग खड़ी हुई।

बच्चों की तरह खिल उठा शक्तिमान –

मेरे नन्हें दोस्त जो कहेंगे मैं वो करूंगा। लेकिन उससे पहले ये तो बताओ आप लोगों के इस फैन क्लब का मकसद क्या है?

कुछ नहीं। बस यूं ही।

नहीं बच्चो, शक्तिमान को ऐसे फिजूल काम बिल्कुल पसन्द नहीं, जिसका कोई मकसद ना हो जिससे किसी को फायदा ना पहुंचता हो!

...जस्ट फोर फन!

तो फिर आप ही बताइए ना हमारे फैन क्लब का मकसद क्या होना चाहिए?

वही जो शक्तिमान का मकसद है दूसरों की सेवा करना उनकी सहायता करना जो लाचार बेसहारा या कमजोर हो!

यू मीन स्काउट वालिन्टियर्स!

बिल्कुल! अगर तुम सभी बच्चे मुझसे ये वादा करें कि इस फैन क्लब में सारे बच्चे मिलकर अच्छे-अच्छे काम करेंगे, दूसरों की सहायता करेंगे। तो मैं ना सिर्फ इस क्लब का उद्घाटन करूंगा बल्कि इसका मेम्बर भी बनूंगा!

सभी बच्चे एक ही स्वर में बोल उठे –

हम वादा करते हैं!

तो हम रिबन काटते हैं!

झऽऽऽ
रिबन कटने के बाद।

बारी थी केक के कटने की।
लाओ माचिस!
केक को काटने से पहले कैण्डल जलाई जायें!
माचिस! कहां है माचिस!
अरे, माचिस तो हम लाना ही भूल गये।

माचिस के बिना तो कैण्डल नहीं जलेगी ना?
जलेगी!...
FAN CLU
FAN CL

...ऐसे जलेगी!

चलो बच्चो अब सब फूंक मारो!
फूऽऽ
फूऽऽ

अब केक कौन काटेगा?

आप!

अच्छा! तो फिर चाकू लाओ! और हो जाओ तैयार...

...एक दो...

...तीन!

CLUB

शक्तिमान ने केक काटकर केक का एक टुकड़ा अपने हाथों में उठा लिया।

चलो अप्पू मुंह खोलो!

नहीं शक्तिमान! पहले केक हम नहीं तुम खाओगे!

ऐसा... तो लाओ भई...

...केक को पहले हम ही खा लेते हैं!

शक्तिमान के बाद सभी बच्चों ने भी वह केक खाना शुरू कर दिया।

खाओ! खाओ!

जल्द ही जहर ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया।

आहह! शक्तिमान, मुझे चक्कर आ रहे हैं!

शक्तिमान! मुझे भी चक्कर आ रहे हैं। आहह!

पलक झपकते ही शाख से टूटे फूलों की तरह बच्चे नीचे गिरने लगे।

अप्पू! अप्पू! क्या हुआ तुम्हें?

जवाब के रूप में अप्पू के मुंह से निकले वे नीले झाग...

...जिन्हें देखकर शक्तिमान भी सकते में आ गया! उसकी लड़खड़ाती जुबान से निकला एक ही शब्द।

जहर!

ठीक यही वह क्षण था जब आंधी-तूफान की तरह भागती शालू वहां पहुंची!

ओह नो! मुझे देर हो ही गई!

लेकिन इस समय मुझे शक्तिमान को कुछ बताने का मौका नहीं मिलेगा क्योंकि...

शक्तिमान इस समय बच्चों को बचाने की कोशिश में जुटा हुआ है!

उस समय शालू जो बात शक्तिमान को ना बता सकी।...

...उसे अपने साथी हटेली को बताई।

य...ये तुम क्या कहेला है शालू?

मैं सच कह रही हूं! मैंने खुद अपनी आंखों से उस मेयर जे॰ जे॰ को अपने चमचे से बात करते और उस जहर से कई मासूम बच्चों को तड़पते हुए आखिरी सांस लेते हुए देखा है। मेरी बात का यकीन करो हटेली!

लेकिन एक बात अपनी समझ में नहीं आयेला है! उस जे॰ जे॰ ने केक में जहर कायेकू मिलाया?

कहा ना शक्तिमान को खत्म करने के लिए! पता नहीं उन बच्चों का क्या होगा!...

...हमें यह बात फौरन पुलिस को बतानी चाहिए!

उससे कुछ नहीं होने का अपून दुनियाभर का चोर-उचक्का उठाई गिरा पुलिस अपुन की बात मानकर शहर के मेयर पर हाथ नहीं डालेगा उल्टा अपुन को ही अन्दरीच कर देगा!

तो..तो फिर क्या करें?

अपने भेजे में एक बात आयेला है! तू यह बात शक्तिमान को बता, वही कुछ कर सकता है!

ठीक है!

लेकिन क्या मेरी बात सुनने के लिए शक्तिमान जिन्दा होगा जहरीला केक खाकर बच्चों की तरह क्या वह भी आखिरी सांसें नहीं ले रहा होगा?

शालू की शंका निर्मूल थी।

क्योंकि शक्तिमान ना सिर्फ सही-सलामत था बल्कि बच्चों की सलामती का प्रयास भी कर रहा था।

डॉक्टर! ये बच्चे ठीक तो हो जायेंगे ना?

कुछ कहा नहीं जा सकता क्योंकि यह केस फूड प्वाइजनिंग का केस नहीं है। इन्हें जहर दिया गया है। और हमें अभी तक यह पता नहीं चल सका है कि यह कौन सा जहर है इसलिए इन्हें अभी कोई भी एण्टी डोट नहीं दी जा सकी है!...

...क्या तुम बच्चों को बचाने के लिए कुछ भी नहीं कर सकते शक्तिमान?

हां, मैं एक काम कर सकता हूं डॉक्टर साहब...

...इन सारे बच्चों के शरीर से जहर निकालकर अपने अन्दर ले सकता हूं। शायद इससे इनकी जान बच जाये!

आप एक काम कीजिए जितने भी और बच्चे हैं। उन्हें उठाकर यहां ले आइये।

शक्तिमान ने जैसा कहा।

तुरन्त ही वैसा ही किया गया! जल्द ही जहर से प्रभावित सभी बच्चे उसी वार्ड में मौजूद थे।

सभी बच्चे यहां पहुंच चुके हैं शक्तिमान!

ठीक है! अब आप सभी बाहर जाइए!...

...जल्दी कीजिये!

सभी को वार्ड से बाहर निकालकर शक्तिमान ने वार्ड का दरवाजा बंद किया।

और योग मुद्रा में खड़ा हो गया।

कुछ पलों बाद ही शक्तिमान ने अपनी सांस को अन्दर की तरफ खींचना शुरू कर दिया।

और जैसे ही शक्तिमान ने ऐसा किया।...

...वैसे ही घटित हुआ वह चमत्कार!

सभी बच्चों के मुंह से जहर खिचने लगा और शक्तिमान के शरीर में समाने लगा।

और जैसे-जैसे बच्चों के शरीर से जहर निकलकर शक्तिमान के शरीर में समा रहा था।...

...वैसे-वैसे बच्चों में प्राण पड़ते जा रहे थे!...

...और शक्तिमान के प्राण उसका शरीर छोड़ने को बेताब हो रहे थे।

लेकिन शक्तिमान को अपने प्राणों को काबू में रखने और...

...अपने आपको सम्भालने में ज्यादा देर नहीं लगी।

डॉक्टरों के लिए विश्व के हर आश्चर्य से बड़ा आश्चर्य था यह।

यह तो चमत्कार हो गया। और ऐसा चमत्कार मैं मेडिकल हिस्ट्री में पहली बार देख रहा हूं!...

...और इसका सारा श्रेय तुम्हें जाता है शक्तिमान, तुमने अपनी जान को खतरे में डाल कर इन मासूम बच्चों की जान बचाई है।...

...तुम सचमुच फरिश्ता हो शक्तिमान!

ये सब झूठ है। शक्तिमान फरिश्ता नहीं हत्यारा है। क्योंकि...

...इसकी वजह से मेरे मासूम बच्चे की जान पर यह आफत आई है !

घायल शेरनी सीबिफरती वह महिला बंटी नाम के बच्चे की मां थी ।

जिसकी नजर में उसके और अन्य बच्चों पर आई उस मुसीबत का जिम्मेदार शक्तिमान ही था ।

मेरे मासूम बच्चे की किसी से क्या दुश्मनी थी जिसकी भी दुश्मनी थी तुझसे थी शक्तिमान अगर मेरे बंटी और दूसरे बच्चो को कुछ हो गया ना तो उसका जिम्मेवार तू होगा तू !

बड़ा शक्तिमान बनता है ना तू लड सकता है तू मौत से !

क्या दे सकता है तू उन मासूमों को नया जीवन जो तेरी वजह से मौत के कगार पर खड़े हैं !

चुपचाप सब कुछ सुनता रहा शक्तिमान। बोलता भी क्या जो सच्चक मां कह रही थी उसके विरुद्ध बोलने के शब्द ही कहां थे उसके पास।

बेचारी ! अपने बच्चे का गहरा सदमा लगा है उसे तभी अंट-शंट बोल रही थी ।

नहीं डॉक्टर वो ठीक कह रही थी !

वह जहर मेरे लिए ही था। मेरी ही वजह से मासूम बच्चों को शिकार बनना पड़ा मगर...

...वो कौन हो सकता है जिसने बच्चों के केक में जहर मिलाया होगा?

शक्तिमान! मैं जानती हूं कि बच्चों के केक में...

...किसने जहर मिलाया था।

भगवान का लाख-लाख शुक्र है कि शक्तिमान को कुछ नहीं हुआ।

!!

!!

शालू थी वह...

...जिसने शक्तिमान के कान में जहर मिलाने वाले का नाम बताया तो।...

...क्रोध का भूचाल नजर आने लगा शक्तिमान के चेहरे पर...

...नफरत की ज्वाला भड़क उठी उसकी आंखों में...

...सिंह सी दहाड़ निकली उसके कंठ से।

बच्चों की जिन्दगियों से खेलने वाले उन शैतानों को शक्तिमान ऐसा सबक सिखायेगा जिसे वे सात जन्म भी नहीं भूल पायेंगे!

राष्ट्रीय गान

जन-गन मन अधिनायक
जय हे
भारत भाग्य विधाता
पंजाब सिंध गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग
विंध्य हिमाचल यमुना-गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे
तब शुभ आशिष मांगे।
गाये तब जय गाथा
जन गण मंगलदायक
जय हे
भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे
जय, जय, जय, जय हे।

शक्तिमान ब्रेन काटेस्ट

शक्तिमान ब्रेन कांटेस्ट में हिस्सा लें व जीतें शक्तिमान की ड्रेस

पंडित जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु किस वर्ष में हुई थी?
महात्मा गांधी का जन्मदिन किस तारीख को होता है?
भारतवर्ष को आजादी किस वर्ष में मिली थी?
गुरु नानक का जन्म किस वर्ष में हुआ था?
पहले बादलों की गड़गड़ाहट सुनाई देती है या बिजली की चमक दिखाई देती है?
तारे दिन में कब दिखाई देते हैं?
रात के समय हरे पेड़ के नीचे क्यों नहीं सोना चाहिए?
नीबू में कौन सा विटामिन होता है?
धरती सूर्य की परिक्रमा कितने दिन में पूरी करती है?
अमेरिका की करेंसी का नाम बताएं?

नियम : उपरोक्त दस सवालों के सही-सही जवाब हमें लिखकर 30 जुलाई, 1999 तक इस पते पर भेजें: **शक्तिमान ब्रेन कांटेस्ट, राजा पॉकेट बुक्स,330/1, बुराड़ी, दिल्ली-110084.**

★ 10 प्रथम पुरस्कार विजेताओं को भेजी जाएगी शक्तिमान की ड्रेस।
★ 100 सांत्वना पुरस्कार शक्तिमान के 8 पोस्टरों का एक सैट।
★ विजेताओं की लिस्ट शक्तिमान के आगामी किसी कॉमिक में छापी जाएगी।
★ अपने जवाबों के साथ अपनी पेंट-शर्ट का साइज लिखकर भेजें।
★ विजेताओं का चुनाव लॉटरी सिस्टम द्वारा किया जाएगा।

डोगा की बंदूक के आठ धमाके

कचरे के डिब्बे से निकलकर डोगा बनने तक का सफर जानिए

पढ़िए डोगा के आठ पुनः प्रकाशित कॉमिक

- कर्फ्यू
- ये है डोगा
- मैं हूं डोगा
- अदरक चाचा
- गैंडा
- चोर सिपाही
- इंस्पेक्टर चीता
- कुत्ता फौज

प्रत्येक का मूल्य:8/-

दिसम्बर माह में सभी पुस्तक विक्रेताओं के पास उपलब्ध। न मिलने पर हमें लिखें:
फैंग, राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84. फोन:7221410.

डोगा की बंदूक के आठ और धमाके

डोगा जो समस्याओं का समाधान नहीं करता उन्हें जड़ से उखाड़ फेंकता है ।

पढ़िए डोगा के आगामी आठ पुनः प्रकाशित कॉमिक

- मुकाबला
- बिच्छू
- बुलडॉग
- आखरी गोली
- हड़ताल
- डोगा और झबरा
- डोगा जिन्दाबाद
- सुपर बॉय

प्रत्येक का मूल्य 8/-

जून माह में सभी पुस्तक विक्रेताओं पर उपलब्ध न मिलने पर हमें लिखें:

राजा पॉकेट बुक्स, 330/1 बुराड़ी, दिल्ली-110084.

मेरी नागरस्सी अपराधियों के लिए फांसी का फंदा बन जाएगी। मेरी विष फुंकार आतंकवादियों को मौत की नींद सुला देगी। मैं विश्व से अपराध और आतंकवाद का खात्मा कर दूंगा।

नागराज के उपलब्ध कॉमिक

- नागराज
- नागराज की कब्र
- नागराज का बदला
- नागराज की हांगकांग यात्रा
- नागराज और शांगो
- खूनी खोज
- खूनी यात्रा
- नागराज का इंसाफ
- खूनी जंग
- प्रलयंकारी नागराज
- खूनी कबीला
- कोबरा घाटी
- बच्चों के दुश्मन
- प्रलयंकारी मणि
- शंकर शंहशाह
- नागराज का दुश्मन
- इच्छाधारी नागराज
- नागराज और कालदूत
- नागराज और जादूगर शाकूरा
- नागराज और बौना शैतान
- नागराज और ताजमहल की चोरी
- नागराज और लाल मौत
- ★ नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- नागराज और काबुकी का खजाना
- नागराज और थोडांगा
- नागराज और तूफान-जू
- ★ नागराज और नगीना का जाल
- नागराज और जादू का शहंशाह
- नागराज और बुगाकू
- नागराज और अजगर का तूफान
- बकोरा का जादू
- पिरामिडों की रानी
- ★ फिर आया नागदंत
- नागराज और मिस्टर 420
- ★ नागराज और नगीना
- थोडांगा की मौत

- नागराज और बेमबेम बिगेलो
- ★ नागराज और मिस किलर
- ★ विजेता नागराज
- ★ विसर्पी की शादी
- ★ शाकूरा का चक्रव्यूह
- ★ नागराज का अंत
- ★ जहर
- ★ नागपाशा
- ★ खजाना
- ★ क्राइमकिंग
- ● राजनगर की तबाही
- ★ विषकन्या
- ★ स्नेक पार्क
- ★ इच्छाधारी
- ★ केंचुली
- ● प्रलय
- ● विनाश
- ★ जहरीले
- ★ बांबी
- ● तानाशाह
- ● सूरमा
- ★ सपेरा
- ★ फन
- ★ नागिन
- ● कलियुग
- ★ विष-अमृत

- इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 8/-
- ★ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 16/-
- ● इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 25/-

कोई भी छप्पन रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हमसे डाक द्वारा घर बैठे मंगाएं। साथ ही प्राप्त करें एक आकर्षक गिफ्ट। कृपया छप्पन रुपए या अधिक का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84 के पते पर भेजें। और अपनी मनपसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में अपने पूरे पते के साथ साफ- साफ लिखकर भेजें।

राजनगर के आकाश में ध्रुव तारे के समान चमकता सितारा।
अपराधियों के लिए मैं दहकता सूरज बन जाऊंगा।

सुपर कमाण्डो ध्रुव के उपलब्ध कॉमिक

- प्रतिशोध की ज्वाला
- रोमन हत्यारा
- आदमखोरों का स्वर्ग
- स्वर्ग की तबाही
- मौत का ओलम्पिक
- समुद्र का शैतान
- बर्फ की चिता
- रूहों का शिकंजा
- लहू के प्यासे
- महामानव
- वूडू
- मुझे मौत चाहिए
- बहरी मौत
- उड़नतश्तरी के बंधक
- एक दिन की मौत
- ★ ग्रेण्ड मास्टर रोबो
- विनाश के वृक्ष
- चैम्पियन किलर
- आखिरी दांव
- ★ आवाज की तबाही
- ★ खूनी खिलौने
- ★ किरीगी का कहर
- ★ चुम्बा का चक्रव्यूह
- वीडियो विलेन
- पागल कातिलों की टोली
- ★ डॉक्टर वायरस
- ★ सामरी की ज्वाला
- ब्लैक कैट
- रोबो का प्रतिशोध
- ★ आत्मा के चोर
- ★ वैम्पायर
- ★ सुप्रीमा

- दलदल
- उड़ती मौत
- चण्डकाल की वापसी
- ★ मैंने मारा ध्रुव को
- ★ हत्यारा कौन
- ★ सर्कस
- ★ हत्यारी राशियां
- ★ मौत के चेहरे
- ★ कमांडर नताशा
- ★ सजाए मौत
- ★ अंधी मौत
- ★ षड्यंत्र
- ★ महाकाल
- ★ खूनी खानदान
- ★ अतीत
- ★ जिग्सा
- ★ ध्रुव-शक्ति
- ★ जंग
- ★ दुश्मन
- ● निशाचर

इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य	8/-
★ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य	16/-
● इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य	25/-

कोई भी छप्पन रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हमसे डाक द्वारा घर बैठे मंगाएं। साथ ही प्राप्त करें एक आकर्षक गिफ्ट। कृपया छप्पन रुपए या अधिक का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स, **330/1**, बुराड़ी, दिल्ली-**84** के पते पर भेजें। और अपनी मनपसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में अपने पूरे पते के साथ साफ- साफ लिखकर भेजें।

खाकी वर्दी खोलकर धरती का सीना छोड़कर आकाश में लहराता हूं, नीली, पीली, पोशाक पहनकर बन जाता हूं, दिल्ली की आंख, ढूंढ़ता हूं इंसानी दरिंदों को और बनकर दिल्ली की छत देता हूं आश्रय दिल्ली वासियों को।

वण्डरमैन परमाणु के उपलब्ध कॉमिक

- बुलैट प्रूफ
- ब्लैकआउट
- मक्खी
- जौंक
- डायमंड किलर
- अण्डर वर्ल्ड
- बाज
- ऑलपिन
- फौलाद
- खोर
- ब्लैड
- स्ट्रीटगैंग
- एक और परमाणु
- अपाहिज गुण्डे
- वृक्षा
- आखिरी उड़ान
- चट्टान

★ हाहाकार
★ रिवॉल्वर
★ रोड रोलर
★ कहर
★ टक्कर
★ खरोंच
★ कैंसर
★ तुरुपचाल
- घोंघा
★ परमाणु-शक्ति
- स्टीमर
- आतिशबाज
- बारूद का खिलाड़ी
- हर घर बारूद
★ तिरछी टोपी
- कैमिको
★ ऑटोमैटिक

- इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 8/-
★ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 16/-
● इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 25/-

कोई भी छप्पन रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हमसे डाक द्वारा घर बैठे मंगाएं। साथ ही प्राप्त करें एक आकर्षक गिफ्ट। कृपया छप्पन रुपए या अधिक का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84 के पते पर भेजें। और अपनी मनपसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में अपने पूरे पते के साथ साफ- साफ लिखकर भेजें।

सावधान!

शरीर में सूर्य का ताप, हाथ में महाकाली की खड्ग और मस्तक पर शिव का प्रलयंकारी नेत्र धारण करके, नारी के आक्रोश की आवाज बनकर, पुरुषों के अहंकार का नाश करने के लिए आई शक्ति।

शक्ति के उपलब्ध कॉमिक

★ ध्रुव-शक्ति
★ डोगा-शक्ति
★ परमाणु-शक्ति
■ चोरनी
■ पवन पुत्री
■ मौत के दीवाने
■ जोकर
■ आई शक्ति
■ वर्दी वाली औरत
■ आई मुसीबत (भेड़िया-शक्ति)
■ जिन्दा पत्थर (भेड़िया-शक्ति)
■ अमानुष (एंथोनी-शक्ति)
■ खबरदार शहरी
■ पूजा एक्सप्रेस
★ बांबी (नागराज-शक्ति)
■ एडवोकेट माधुरी
■ फूल और कांटे (शक्ति)
■ बार्डर

■ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 8/-
★ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 16/-
● इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 25/-

कोई भी छप्पन रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हमसे डाक द्वारा घर बैठे मंगाएं। साथ ही प्राप्त करें एक आकर्षक गिफ्ट। कृपया छप्पन रुपए या अधिक का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84 के पते पर भेजें। और अपनी मनपसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में अपने पूरे पते के साथ साफ- साफ लिखकर भेजें।

मेरे तीन रंग देश के सम्मान ही नहीं, देशवासियों की सुरक्षा के भी सूचक हैं। जब-जब फर-फर फरफराएगी तिरंगी ढाल, तब-तब दिल्ली की सुरक्षा के लिए आएगा तिरंगा।

देशभक्त डिटेक्टिव तिरंगा के उपलब्ध कॉमिक

- लहराता रहेगा तिरंगा
- इंसाफ
- छलावा
- जहरीले सिक्के
- निशाना
- अब मरेंगे सब
- कहां है तिरंगा
- सिंदूर मिटा दो
- देशद्रोही
- कातिल आंखें
- पैनिक अटैक
- सुरक्षा चक्र
- खूनी एपीसोड
- बेनकाब
- आखिरी हत्यारा
- सब मरेंगे बारी-बारी
- नकलची
- पुतलीबाई

- चेहरा कहां छुपाऊं
- एक बटा दो
- गोरखधंधा
- मिस्ट्री वीटा
- सट्टेबाज
- मोस्ट वाण्टेड

■ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य	8/-
★ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य	16/-
● इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य	25/-

कोई भी छप्पन रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हमसे डाक द्वारा घर बैठे मंगाएं। साथ ही प्राप्त करें एक आकर्षक गिफ्ट। कृपया छप्पन रुपए या अधिक का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84 के पते पर भेजें। और अपनी मनपसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में अपने पूरे पते के साथ साफ- साफ लिखकर भेजें।

मैं समस्याओं को हल नहीं करता उन्हें जड़ से उखाड़ फेंकता हूं।

रात के रक्षक डोगा के उपलब्ध कॉमिक

★ तिरंगा
★ खतरनाक
★ 786
★ आई लव यू
★ दो फौलाद
★ शेर का बच्चा
★ मर्द और मुर्दा
★ ठंडी आग
★ खाकी और खद्दर
★ खूनी पहेलियां
■ कृफ्यू
■ ये है डोगा
■ मैं हूं डोगा
■ अदरक चाचा
■ डैडलाइन
■ मृत्युदाता
■ ट्रॉम्बेट्रिक
★ डोगा शक्ति
■ मेरी कॉस्ट्यूम, मेरी बाईक

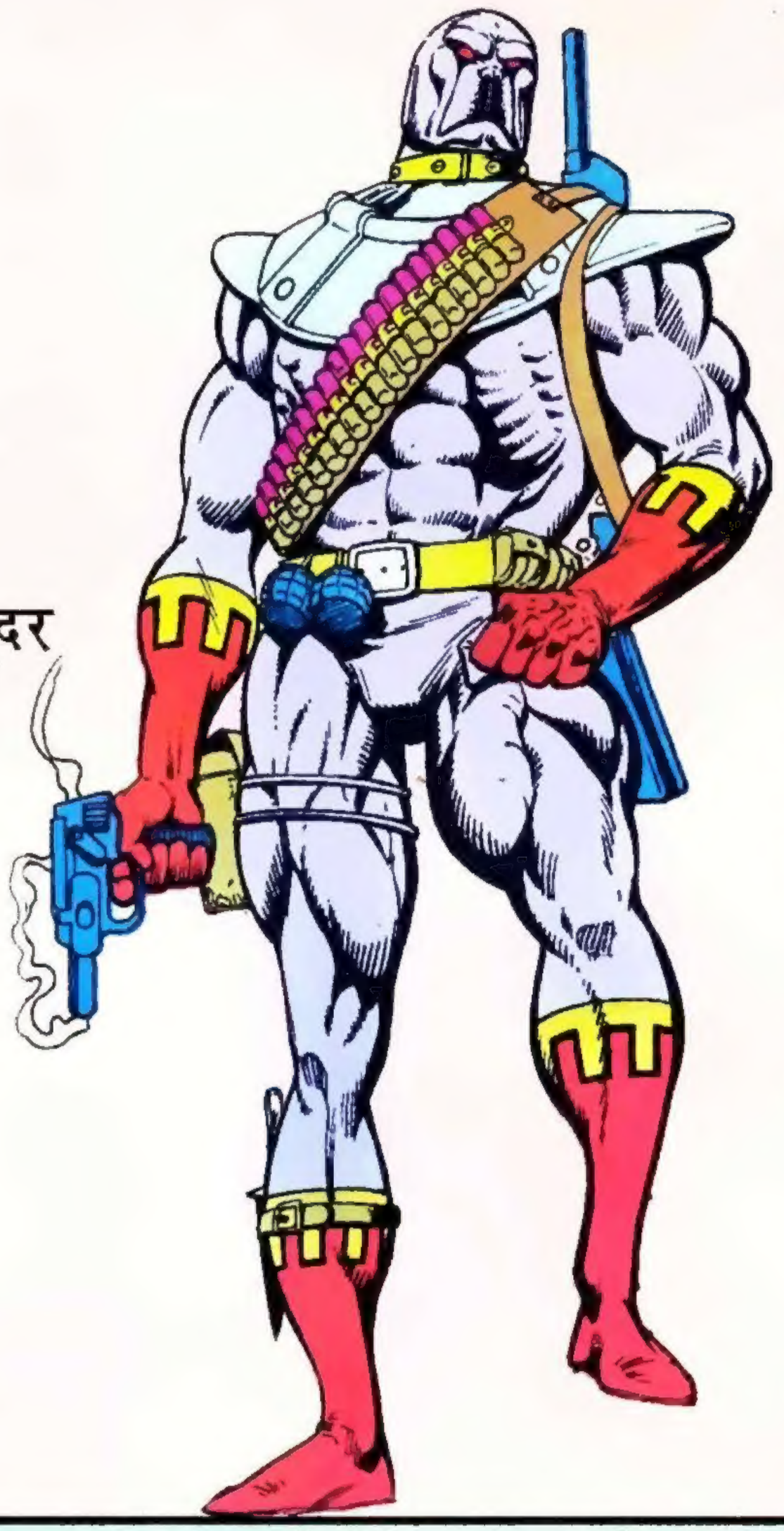

■ कुत्ते मेरे साथी
■ मेरी मशीनगन, मेरी रायफल
■ मेरे हाथ, मेरे हथियार
■ डोगा की कसरतें
■ डॉग ट्रेनिंग
★ रात की रानी
★ भूल गया डोगा
★ सावधान डोगा
★ कौन बड़ा जल्लाद
● निशाचर (ध्रुव-डोगा)
★ खून का खतरा
★ आठ घण्टे

■ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 8/-
★ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 16/-
● इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 25/-

कोई भी छप्पन रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हमसे डाक द्वारा घर बैठे मंगाएं। साथ ही प्राप्त करें एक आकर्षक गिफ्ट। कृपया छप्पन रुपए या अधिक का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84 के पते पर भेजें। और अपनी मनपसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में अपने पूरे पते के साथ साफ- साफ लिखकर भेजें।

हर युग में मानवों ने देवताओं की मुसीबत में सहायता की है। त्रेता में दशरथ और कैकयी ने, द्वापर में अर्जुन ने! कलियुग में भी देवताओं के सामने एक भीषण संकट उत्पन्न हो गया है...

...और इस बार देवताओं ने अपनी मदद के लिए तुम दोनों को पुकारा है।...

...विनाश की इस घड़ी को अगर कोई टाल सकता है तो सिर्फ तुम दोनों मानव! वर्ना इस कलियुग के साथ सिर्फ एक 'कल्प' की नहीं बल्कि सृष्टि की ही समाप्ति हो जाएगी! और ब्रह्माण्ड में न रहेगा सतयुग न त्रेतायुग, न द्वापर युग! हमेशा के लिए ब्रह्माण्ड में व्याप्त हो जाएगा...

यह विशेषांक मई 1999 में प्रकाशित होगा

by अनुपम

पृष्ठ संख्या : 96 मूल्य : 25

कलियुग

इस बार संघर्ष सिर्फ मानवता या पृथ्वी को बचाने के लिए नहीं, बल्कि देवताओं और सृष्टि को बचाने के लिए है। दुश्मन प्रचण्ड शक्तिशाली और भीषण राक्षसी शक्तियां हैं और दांव पर लगा है पूरे ब्रह्माण्ड का भविष्य!

राज कॉमिक्स का एक युग परिवर्तनकारी विशेषांक

भीष्म इंटरनेशनल प्रस्तुति

S. Digvad.

राज कॉमिक्स में शक्तिमान का रोमांचक कॉमिक

आजाओ शक्तिमान